MARJ-05

December - Examination 2025
M.A. (Final) Examination
RAJASTHANI
प्राचीन अर मध्यकालीन राजस्थानी काव्य
Paper : MARJ-05

[*Time: **3** Hours*] [*Maximum Marks: **80***]

निर्देश :– औ पेपर तीन खण्डां में में बंट्योड़ी है। खण्ड – 'अ', 'ब' अर 'स' है। खण्ड 'अ' में साव छोटा सवाल, खण्ड 'ब' में छोटा सवाल अर खण्ड 'स' में निबन्धात्मक सवाल दियोड़ा है।

खण्ड–'अ' **8×2=16**

(साव छोटा सवाल)

निर्देश :– इण खण्ड रा सगळां सवालां रौ जवाब देवणौ जरूरी है। (सबद सीमा : **30**)

1. (i) 'हम्मीरायण' काव्य रचना रै रचनाकार रौ नांव बतावो।
   (ii) ढोला रौ दूजो नांव कांई हो?
   (iii) 'बीसलदेव रासो' रचना कितरा सर्ग में विभाजित है?
   (iv) 'कान्हड़दे प्रबन्ध' रचना में चरित्र नापक किण रौ अवतार मानीज्यौ है?
   (v) 'साहस वसि सुरतांण दळ, समहरि जिम चमकंत' उपरोक्त ओळियां किण वीर काव्य री है?
   (vi) 'वेलि क्रिसन रुकमणी री' रचना किण काव्य सैली में रचित है?
   (vii) 'हालां झालां रा कुण्डळियां' रा पात्रां रा नांव बतावो।
   (viii) अल्लूजी कविया किण छंद रा सम्राट मानीजै है?

खण्ड–'ब' **4×8=32**

(छोटा सवाल)

निर्देश :– इण खण्ड मांय सूं किणी च्यार सवालां रा जवाब देवणौ है। (सबद सीमा : **200**)

2. 'भरतेश्वर बाहुबली घोर' रचना री कथावस्तु नै उजागर करो।
3. 'ढोला मारू रा दूहा' काव्य में प्रयुक्त कथानक रूढ़ियां री विरोळ करो।
4. 'बीसलदेव रासो' काव्य रौ वियोग पख री विरोळ करावो।
5. 'कान्हड़दे प्रबन्ध' री कथावस्तु री विगत नै समझावौ।
6. ईसरदास बारहठ री किणी अेक भगती रचना पर टिप्पणी लिखो।
7. कवि कुशललाभ रौ जीवण–परिचै नै उजागर करो।
8. नरहरिदास बारहठ रै 'अवतार चरित्र' री समीक्षा करो।
9. अल्लूजी कविया री भगती–भावना नै उजागर करो।

खण्ड–'स' **2×16=32**

(निबन्धात्मक सवाल)

निर्देश :– इण खण्ड मांय सूं किणी दोय सवालां रौ जवाब देवणौ है। (सबद सीमा : **500**)

10. 'ढोला मारू रा दूहा' राजस्थानी भाषा रौ गौरव–ग्रंथ है? समीक्षा करो।

11. 'वेलि क्रिसन रुकमणी री' काव्य री कला पख री दीठ सूं समीक्षा करो।

12. राजस्थानी छंद–काव्य परम्परा में 'रणमल्ल छंद' री ठौड़ थरपौ?

13. 'हालां झालां रा कुण्डळियां' री काव्यगत विसेसतावां नै समझावौ।